

## Ek Bharat Shreshtha Bharat (Reports for February 2020)

### **Activity 4: Display of Posters**

**Date: 25/02/2020**

The teacher trainees of the institute were given the task of designing posters on different aspects of Jharkhand such as its dance forms, art forms, tribes and festivals.

After discussion with the respected groups the students were asked to present a poster on the same. The students displayed their creativity in the posters assigned to each group. The works were commendable as one could see and feel the diverse aspects of the state of Jharkand.

This activity was Co-ordinated by Mr. Raymond Pereira.

# झारखंड के लोकनृत्य



झूमर



पाइका



छऊ नृत्य



करम नृत्य



संथाल नृत्य



सरहुल नृत्य

# शारखंड की चित्रकला

**सोहराई कला**

सोहराई कला एक आदिवासी कला है। इसका प्रचलन इजरायल जिले के बरान क्षेत्र में आज से कई वर्ष पूर्व शुरू हुआ था। इस क्षेत्र के इनको पहाड़ियों की गण्डों में आज भी इस कला के नमूने देखे जा सकते हैं। इसका सुरुआती नाम सोहराई कला का महत्व सदियों से रहा है। सोहराई कला में जंगली जीव-जंतुओं, पत्तियों और पेड़-पौधों को उकेरा जाता है।

**मधुबनी चित्रकला**

मधुबनी चित्रकला कई भारतीय कला रूपों में से एक है। जैसे कि बिहार और नेपाल के मिथिला क्षेत्र में प्रचलित है, इसे मिथिला या मधुबनी कला कहा जाता है। अक्सर जटिल ज्यामितीय पैटर्न की विशेषता होती है, इन चित्रों को त्योहारों, धार्मिक अनुष्ठानों आदि सहित विशेष अवसरों के लिए अनुष्ठान सामग्री का प्रतिनिधित्व करने के लिए बनाया जाता है। मधुबनी चित्रों के रंग पीले और अन्य प्राकृतिक रंगों से प्राप्त होते हैं। सामकालीन बच्चे बजाय, चित्र के लिए टहनियाँ, मापिन और यहाँ तक कि उमरियों जैसी वस्तुओं का उपयोग किया जाता है।

**पेंटिंग कला**

पेंटिंग की इस कला में हाथों से बनाई गई सामग्रियों का ही इस्तेमाल किया जाता है। पेड़ के पत्ते या छाल से रंग बनाए जाते हैं। इसमें कृत्रिम रंगों का प्रयोग नहीं होता है। पेंटिंग में प्रयोग होने वाला ब्रह्म भी हाथों से बनाया जाता है। यह ऐसी कला है, जिसमें घटना या कहानियों का वर्णन चित्रों के माध्यम से होता है। ऐसे चित्रों को बनाने वाली एक खास जाति है, जो चित्रकार के रूप में जानी जाती है।

# झारखण्ड

# की

# जनजातियाँ



मुण्डा



गोंड



जाति है। झ  
भाषा मुंडारी  
रूप से धान  
वह सूती व  
ही है, जिसे  
है।



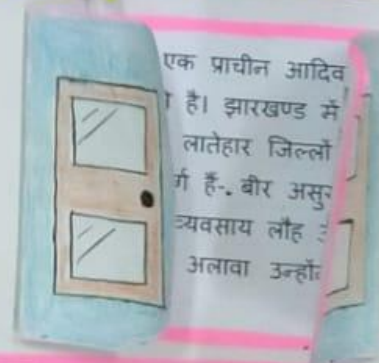
सांथाल



असुर



वक्ता  
तल,  
से आ  
जाहेर  
मान  
उपास



एक प्राचीन आदिवा  
है। झारखण्ड में  
लातेहार जिल्लो  
में हैं- बीर असुर  
व्यवसाय लौह  
अलावा उन्हों

# FESTIVALS OF

# JHARKHAND

## TUSU/MAKAR



Tusu or Makar festival is celebrated in the winter on the last day of Pous month. It is for the unmarried girls where they ornament a bamboo or wooden frame with coloured paper and then present it to the close by mountainous river.

## BANDNA



Bandna festival is celebrated in the black moon in the month of Karitik. The festival is chiefly for animals which are close to the tribal people. They are cleaned, washed, decorated with paint and dressed with embellishments, mainly the cows and bulls.

## JANI-SHIKAAR

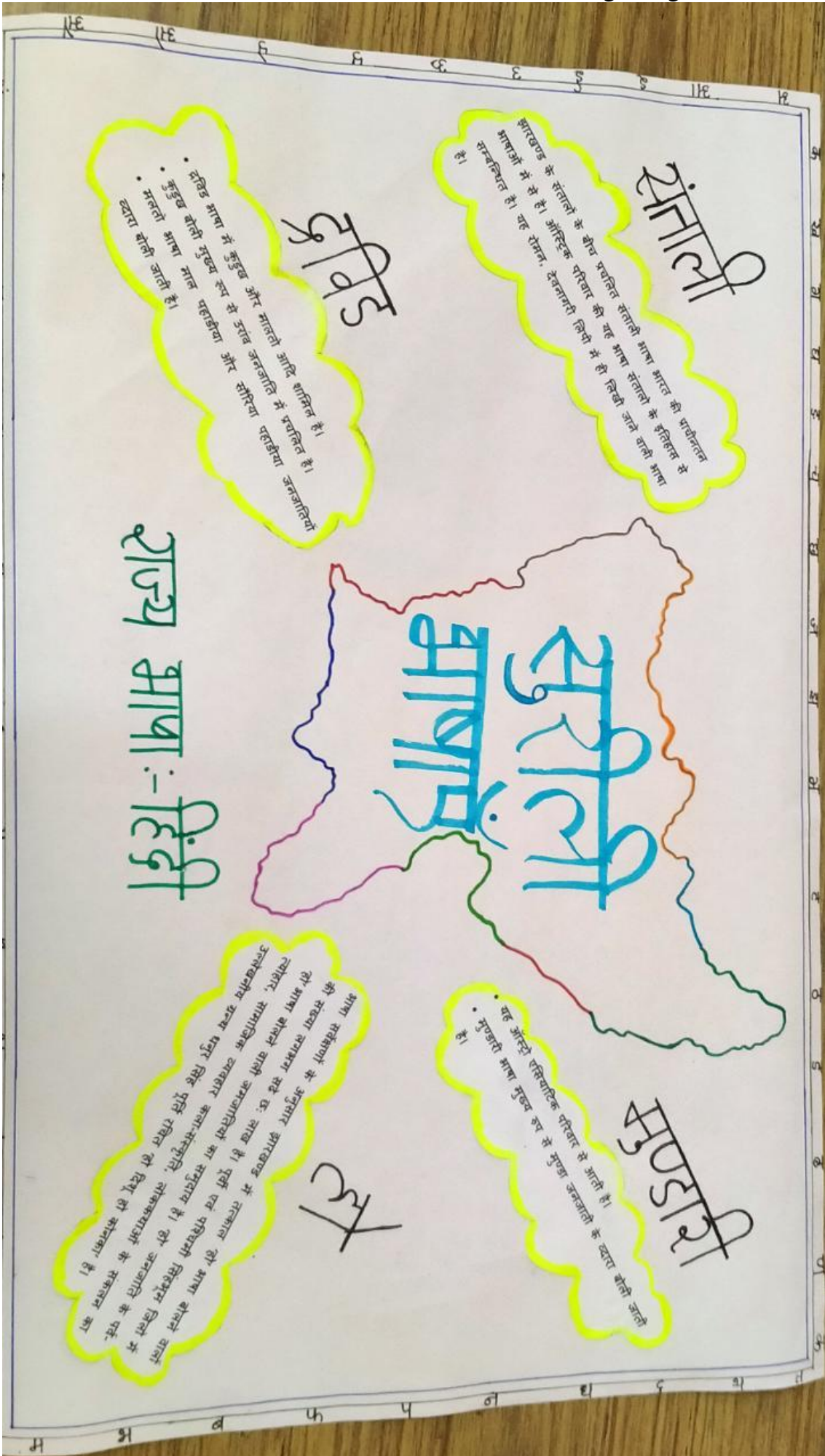


Jani-Shikaar is held once in every twelve years. The women folk wear menswear and walk in the forest for hunting.

## KARAM



Karam festival is celebrated on the 11th of the moon in the month of Bhadra. It is dedicated to the worship of Karam Devta. Villagers go to the forest and gather wood, hardy fruits which are used for the puja.



**Nirmala Institute of Education, Altinho, Panaji-Goa.**

Wireline: 0832 2225633 e-mail: [niegoa@gmail.com](mailto:niegoa@gmail.com)